सान्ध्य हिन्दी दैनिक	जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 169 | जौनपुर, गुरूवार, 06 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज/महाकुंभ नगर, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मंत्रोच्चारण के बीच गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी के में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। पांच डुबकी लगाने के साथ उन्होंने खुशहाल एवं सशक्त भारत तथा विश्व कल्याण की कामना की। उन्होंने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री सुबह करीब सवा 10 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर उतरे और वहां से करीब साढ़े 10 बजे अरैली में हेलीपैड पर पहुंचे। हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद अरैल घाट से विशेष मोटर बोट पीएम और मुख्यमंत्री संगम घाट आए। फिर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काले कुर्ते और भगवा पटके व हिमांचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहा मौजूद

तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद करीब 11 बजकर 35 मिनट पर पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हैलीपैड की ओर रवाना हो गए। महाकुम्भ में जहां दुनिया भर के श्रद्धालुओं का समागम हो रहा है, वहां प्रधानमंत्री ने पावन डुबकी के माध्यम से पूरी दुनिया को एक भारत श्रेष्ठ भारत और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया। बुधवार को पीएम मोदी का संगम स्नान बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण रहा। इस दौरान विशिष्ट योग का भी संयोग रहा। दरअसल, बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वह एमआई 17 हेलिकॉप्टर में बैठकर डीपीएस हेलिपैड पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष बोट पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया। बोट पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री महाकुम्भ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में सीएम योगी से जानकारी लेते हुए भी दिखाई दिए। बोट से भ्रमण के दौरान पीएम ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया। प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी जब त्रिवेणी संगम पहुंचे तब आम श्रद्धालु भी संगम स्नान कर रहे थे। पीएम मोदी के आगमन के बावजूद लोगों को स्नान करने से रोका नहीं गया था। वीवीआईपी मूवमेंट के बाद भी कहीं कोई गतिरोध उत्पन्न नहीं हुआ और एक तरह से पीएम मोदी और अन्य श्रद्धालुओं ने एक साथ ही त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इससे श्रद्धालु भी प्रसन्न नजर आए और संगम तट पर लाखों लोगों की मौजूदगी में हर हर गंगे और मोदी–मोदी के जयकारे गुंजायमान होते रहे। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुम्भ में अब तक वीवीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं को संगम स्नान में कहीं कोई दिक्कत नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मात्र 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं। इससे पूर्व पीएम मोदी ने महाकुम्भ की शुरुआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ–साथ आरओबी फ्लाईओवर, सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं सम्मिलित थीं। इसके अतिरिक्त, स्थायी घाटों, रिवर फ्रंट, सीवरेज, पेयजल सुविधाओं के साथ विद्युत आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया था। यही नहीं, पीएम मोदी ने अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर, बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर, श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर का भी शुभारंभ किया था।

फास्ट न्यूज

आप विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने विधानसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मतदान शुरू होने से कुछ घंटे पहले यह मामला दर्ज किया गया। अमानतुल्लाह खान ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक वीडियो में अमानतुल्लाह खान को कथित तौर पर मंगलवार देर रात बाटला हाउस इलाके में चुनाव प्रचार की सामग्री बांटते हुए देखा गया। इस सिलसिले में जामिया नगर थाने में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। सूत्र ने बताया, वीडियो और प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले में जांच जारी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान सोमवार शाम को समाप्त हो गया था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत को दी गई चुनौती

बॉम्बे, (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बीजेपी विधायक सिद्धार्थ शिरोले को एक चुनाव याचिका के सिलसिले में समन जारी किया, जिसमें नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उनकी जीत को चुनौती दी गई है। कांग्रेस नेता दत्ता बहिरत द्वारा दायर चुनाव याचिका में शिवाजी नगर विधायक की जीत को अवैध घोषित करने की मांग की गई है। याचिका में शिरोले के अलावा भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और उसके विभिन्न अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया है, जिन्हें अदालत ने मंगलवार को समन जारी किया है। शिरोले ने 2024 में पुणे के शिवाजी नगर से अपना दूसरा कार्यकाल जीता और वह पूर्व संसद सदस्य अनिल शिरोले के बेटे हैं। शिरोले ने अपनी सीट भारी अंतर से जीती थी और उन्हें 84,695 वोट मिले थे, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी बहिरत को केवल 47,993 वोट मिले थे। बहिरत की याचिका में कहा गया है कि वह हार के अंतर से स्तब्ध थे क्योंकि ष्इस चुनाव में ऐसा होना एक असंभव बात थी। अविश्वास व्यक्त करते हुए, बहिरत, जो पहले नगरसेवक थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, समेत कई नेताओं ने डाला वोट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव हो रहे है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदाता अपने मत का प्रयोग कर रहे है। सुबह मताधिकार का उपयोग करने वाले शुरुआती मतदाताओं में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, विदेश मंत्री एस जयशंकर, हरदीप सिंह पुरी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल है। सुबह–सुबह वोट डालने वालों में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एलिस वाज भी शामिल रहीं। ग्रेटर कैलाश से आप के उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज, करावल नगर से भाजपा के उम्मीदवार कपिल मिश्रा, नयी दिल्ली विधानसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार संदीप दीक्षित और कालकाजी से पार्टी उम्मीदवार अलका लांबा ने भी सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के तुरंत बाद मतदान किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति एस्टेट स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में अपना वोट डाला। दिल्ली में बुधवार सुबह 70 विधानसभा सीटों के लिए मतदान शुरू हो गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच मतदाताओं ने 8वीं विधानसभा के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अधिकारियों ने बताया कि मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चलेगा। दिल्ली में 1,56,14,000 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 83,76,173 पुरुष, 72,36,560 महिलाएँ और 1,267 थर्ड–जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदाताओं में 18–19 वर्ष की आयु के 2,39,905 पहली बार मतदाता, 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के 1,09,368 बुजुर्ग मतदाता और 79,885 विकलांग व्यक्ति भी शामिल हैं। चुनाव के लिए करीब 97,955 कर्मियों और 8,715 स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। सुरक्षा उपायों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 220 कंपनियां, 19,000 होमगार्ड और 35,626 दिल्ली पुलिस के जवान शामिल हैं, जो शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करते हैं।

गृहमंत्री शाह ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, जहां हाल में कुछ आतंकवादी घटनाएं हुई हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अधिकारियों ने शाह को केंद्र शासित प्रदेश की मौजूदा स्थिति और आतंकवादियों के खिलाफ जारी अभियानों के बारे में जानकारी दी। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद यह बैठक हुई। हमले में पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी तथा भांजी घायल हो गए थे। बैठक में जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सेना, पुलिस और प्रशासन के अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। शाह ने 19 दिसंबर, 2024 को पिछली समीक्षा बैठक के दौरान सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करने के लिए समन्वित तरीके से काम करना जारी रखने का निर्देश दिया था। सरकार का कहना है कि आतंकवादी घटनाओं, घुसपैठ और आतंकवादी संगठनों में युवाओं की भर्ती में उल्लेखनीय कमी आई है। सुरक्षा बलों ने पिछले सप्ताह जम्मू–कश्मीर में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया था, मुख्यतः नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकट ऊंचे इलाकों और जंगली इलाकों में, ताकि पिछले वर्ष विभिन्न जिलों में कई हमलों को अंजाम देने वाले आतंकवादियों का पता लगाया जा सके।

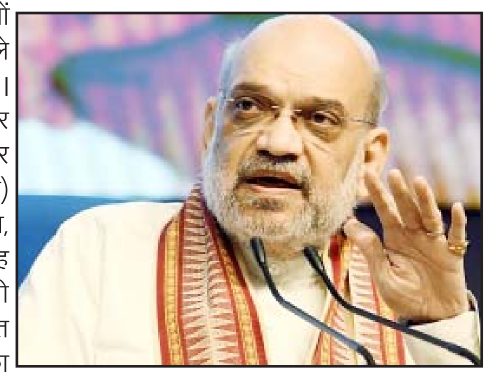

फर्जी मतदान का टारगेट पूरा कर रहे अफसर : अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ऑडियो पोस्ट शेयर कर मिल्कीपुर में फर्जी मतदान का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में अधिकारी भाजपा के लिए फर्जी मतदान का टारगेट पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग लोकतंत्र के दुश्मनों का तत्काल संज्ञान ले। हालांकि आधिकारिक रूप से यह ऑडियो कितना सही है इस बात को लेकर अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। भाजपा या अधिकारयों की ओर से इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने एक्स पर कहा कि ये है पीठासीन अधिकारियों की सच्चाई का स्टिंग ऑपरेशन जो सत्ताधारी के लिए फर्जी मतदान का टारगेट पूरा कर रहे हैं। इनके बूथों पर तुरंत चुनाव रद्द किया जाए और इन्हें प्रथमदृष्ट्या आडियो सबूतों के आधार पर निलंबित किया जाए और फिर उचित न्यायिक कार्रवाई के बाद बर्खास्त भी। अधिकारियों की चुनावी धांधली और हेराफेरी के ऐसे और भी वीडियो–आडियो आ रहे हैं। जब इनकी नौकरी जाएगी और समाज में बदनामी होगी शायद तब इनका ईमान और जमीर जागेगा। सरकार इनका इस्तेमाल करके अपना हाथ झाड़ लेगी, तब ये जेलों में होंगे।

मनीष सिसोदिया ने पैसे बांटने का लगाया आरोप, पुलिस ने किया खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सुस्त मतदान के बीच, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच तनाव बढ़ गया क्योंकि उन्होंने मतदान केंद्रों पर नकदी वितरण और मतदाता धोखाधड़ी के आरोप लगाए। दिल्ली में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। वहीं, मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा और राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक पुनरुत्थान की उम्मीद कर रही कांग्रेस के बीच तीन–तरफा कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र से आप उम्मीदवार मनीष सिसोदिया के ट्वीट पर कहा कि भाजपा खुलेआम मतदाताओं को एक इमारत में ले जा रही थी और पैसे बांट रही थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने

इसे खारिज कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि पैसे बांटने के आरोप प्रमाणित नहीं हो सके। स्थिति नियंत्रण में है और भ्रम दूर हो गया है। मनीष सिसोदिया की पुलिस के बहस भी हो गई। इस दौरान सिसोदिया के सामने ही मोदी–मोदा के नारे लगने लगे। हालांकि, पुलिस में माहौल को शांत कराने की कोशिश की। इस बीच, ग्रेटर कैलाश से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि चिराग दिल्ली में लोगों को मतदान से रोका जा रहा है जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि जंगपुरा में एक घर से पैसे बांटे जा रहे हैं। सीलमपुर में भाजपा द्वारा फर्जी मतदान के आरोपों के बाद एक मतदान केंद्र के बाहर पार्टी के और नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस ने हालांकि इलाके में सुरक्षा बल तैनात होने का हवाला देते हुए आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस और अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया है।

मोहन यादव ने 7 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स को दिया स्कूटी का तोहफा

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फूलों की वर्षा की और मुफ्त ई–स्कूटी प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों से बातचीत की। सीएम ने शैक्षणिक सत्र 2023–24 में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के स्कूल स्तर पर मेरिट सूची में शामिल सरकारी स्कूलों के 7,900 मेधावी विद्यार्थियों को मुफ्त ई–स्कूटी वितरित की। मोहन यादव ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे छात्रों के साथ समय बिताने का मौका मिला। हमने मेधावी छात्रों को मुफ्त ई–स्कूटी देने का फैसला किया था। यह संदेश देता है कि सरकार हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए काम करती है। वहीं, एक्स पर मोहन यादव ने लिखा कि सुनहरे भविष्य की राह सुगम हो, संसाधनों का अभाव बाधा न बने। उन्होंने कहा कि आज भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्य स्तरीय कार्यक्रम अंतर्गत मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल के शैक्षणिक सत्र 2023–24 में कक्षा 12वीं के प्रत्येक संकाय से लगभग 7900 टॉपर स्टूडेंट्स को श्स्कूटी वितरण कार्यक्रमश का दीप–प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया एवं 10 विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से स्कूटी की चाबी देकर बधाई दी। यादव ने कहा कि हर बच्चा शिक्षित होय शिक्षा में समय, दूरियां एवं आवागमन के साधन का अभाव बाधा न बने और स्वर्णिम भविष्य की राह सुगम होय इस संकल्प पूर्ति के लिए हम निरंतर कार्यरत हैं। प्यारे विद्यार्थियों! आप खूब पढ़ें और विकसित मध्यप्रदेश गढ़ेंय आप सभी को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं। इससे पहले मोहन यादव ने मंगलवार को भोपाल जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में सफर किया।

भारत में जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता – राहुल गांधी

बिहार, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना में आरोप लगाया कि भारत के वर्तमान सत्ता तंत्र और संस्थाओं में दलितों तथा वंचितों की कोई भागीदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि दलितों, अल्पसंख्यकों, समाज के कमजोर वर्गों की सटीक संख्या पता लगाने के लिए पूरे भारत में जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज भारत की सत्ता संरचना में, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, कॉर्पोरेट हो, व्यापार हो, न्यायपालिका हो, आपकी भागीदारी कितनी है? राहुल ने कहा कि दलितों को प्रतिनिधित्व तो दिया गया है लेकिन अगर सत्ता संरचना में भागीदारी नहीं है तो इसका कोई मतलब नहीं है। अगर मंच के पीछे से निर्णय लिए जाएं तो मंच पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि आज अलग–अलग जाति के लोगों को टिकट देना एक फैशन बन गया है, ये बात पीएम मोदी भी कहते हैं। लेकिन फिर, आपने (पीएम मोदी) विधायकों की शक्तियां छीन लीं। यहां तक कि लोकसभा सांसदों के पास भी

कोई निर्णय लेने की शक्ति नहीं है। आपने मंत्री बनाया लेकिन ओएसडी आरएसएस से है। सवाल नियंत्रण और भागीदारी का है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के विचार और उसूलों की बात करते हैं। लेकिन सवाल है कि अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के जो विचार थे, वे कहां से आते थे? सच्चाई ये है कि.. दलितों के दिल में जो दुख और दर्द था, अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी ने उस आवाज को उठाया था। उन्होंने कहा कि आज भारत के पॉवर स्ट्रक्चर– शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्पोरेट या ज्यूडिशरी में दलित वर्ग की कितनी भागीदारी है?

हम जीतने और सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रहे - पवन खेड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी के रुख पर बात करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकताएँ अलग हैं क्योंकि मैं एक राजनीतिक व्यक्ति हूँ। लेकिन मैं दिल्ली में जो महसूस कर सकता हूं वह यह है कि लोग न केवल नई दिल्ली क्षेत्र में बल्कि पूरी दिल्ली में शीला दीक्षित को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं। लोग एक बार फिर श्कांग्रेस वाली दिल्लीश की ओर, श्शीला दीक्षित की दिल्लीश की ओर जाना चाहते हैं। खेड़ा ने कहा कि मतदाताओं ने देखा है कि कांग्रेस ने 15 साल में क्या किया। इसलिए, उन्हें कांग्रेस से उम्मीदें हैं कि यह एकमात्र पार्टी है जिसके श्दिलश में श्दिल्लीश है। हम जीतने और सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हम 40 सीटों पर बहुत मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। हमें सरकार बनने की पूरी उम्मीद है. दिल्ली निर्णायक जनादेश देने जा रही है। खेड़ा ने मुख्यमंत्री कार्यालय से कथित संबंध वाले नकदी की जब्ती के हालिया आरोपों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सबकुछ आपके सामने है। वे स्वच्छ राजनीति के बड़े–बड़े दावे करते थे। खेड़ा ने विपक्ष के ईमानदारी के दावों की ओर इशारा करते हुए टिप्पणी की, जो उन्होंने सुझाव दिया था कि इस घटना से उनका खंडन हो गया है। इस बीच, भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, एकल चरण के दिल्ली विधानसभा चुनाव में सुबह 11 बजे तक राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 20 प्रतिशत की धीमी गति से मतदान दर्ज किया गया।

संपादकीय

जबरन वापसी

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर–खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट–पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल–हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार–चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतरू प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी–ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। लेकिन फिर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी के बाद उन्होंने यू–टर्न ले लिया। अब वही कोलंबिया के राष्ट्रपति प्रवासियों से तुरंत घर आने और 'सामाजिक संपदा' के निर्माण में योगदान का अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? निश्चित रूप से समय की मांग है कि बेईमान ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की जाए, जो युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर अवैध रूप से अमेरिका व अन्य देशों में भेजते हैं। निस्संदेह, विकसित भारत का सपना दूर की कौड़ी है, लेकिन सबसे पहली प्राथमिकता देश की युवा शक्ति को कुशल बनाने तथा रोजगार के आकर्षक अवसर पैदा करना होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान कानूनी प्रवासन को सुव्यवस्थित करने का एजेंडा सर्वोपरि होना चाहिए।

वैश्विक राजनीति-अर्थशास्त्र को नया आकार देगा ब्रिक्स

श्याम

ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका वाले पांच प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है। जो दुनिया की बड़ी आबादी, जीडीपी और व्यापार के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता हैं। 'ब्रिक' शब्द 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील द्वारा गढ़ा गया था, जिन्होंने भविष्यवाणी की थी कि ये चार अर्थव्यवस्थाएं 2050 तक वैश्विक विकास पर हावी होंगी। पहली अनौपचारिक ब्रिक बैठक 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हुई थी, उसके बाद 2009 में रूस में पहला आधिकारिक ब्रिक शिखर सम्मेलन हुआ था। वर्ष 2010 में, दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हुआ, जिससे ब्रिक ब्रिक्स में बदल गया। वर्ष 2014 में, ब्रिक्स ने पश्चिमी–प्रभुत्व वाले आईएमएफ और विश्व बैंक के विकल्प के रूप में न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना की। समूह का प्रभाव 2023 में और बढ़ गया जब इसने अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई को आमंत्रित करके विस्तार किया, जो इसकी बढ़ती वैश्विक भूमिका को दर्शाता है। फिर क्यूबा व इंडोनेशिया पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हो गए। वर्ष 2025 की शुरुआत तक, 40 से अधिक देशों ने ब्रिक्स समूह में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है, जिसमें 24 देशों ने औपचारिक रूप से सदस्यता के लिए आवेदन किया है। ब्रिक्स वैश्विक शासन में अमेरिकी व यूरोपीय प्रभुत्व को चुनौती देते हुए एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने का प्रयास करता है। यह संगठन विकासशील देशों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक में सुधारों की वकालत करता है। जबकि रूस और चीन ब्रिक्स का उपयोग अमेरिकी आधिपत्य को संतुलित करने के लिए करते हैं, भारत व ब्राजील रणनीतिक स्वायत्तता हेतु इसका लाभ उठाते हैं। ब्रिक्स अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। भारत क्वाड गठबंधन जैसी रणनीतिक साझेदारी हेतु ब्रिक्स जुड़ाव को संतुलित करता है। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों पर, ब्रिक्स ने तटस्थ या वैकल्पिक स्थिति अपनाई है, जैसा रूस–यूक्रेन युद्ध के प्रति इसके दृष्टिकोण में दिखा। प्रतिबंधों पर संवाद को प्राथमिकता दी गई है। यह पश्चिमी नेतृत्व वाले हस्तक्षेपों और नाटो जैसे सैन्य गठबंधनों के लिए कूटनीतिक विकल्प प्रदान करता है। ब्रिक्स वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 31 फीसदी हिस्सा है, जो जी–7 से आगे है, और दुनिया की 42 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। चीन सकल घरेलू उत्पाद में सबसे आगे है, भारत सबसे तेजी से बढ़ती ब्रिक्स अर्थव्यवस्था बना हुआ है। समूह की प्रमुख पहलों में से एक डी–डॉलरीकरण है, जो व्यापार और वित्तीय लेनदेन में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम करता है। न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) डॉलर के प्रभुत्व का मुकाबला करने के लिए स्थानीय मुद्राओं में ऋण प्रदान करता है। रूस और चीन पश्चिमी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए युआन, रूबल और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं। ब्रिक्स के भीतर व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे पश्चिमी बाजारों पर निर्भरता कम हुई है। जबकि चीन ब्रिक्स के भीतर सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है, अन्य सदस्य बीजिंग पर अत्यधिक आर्थिक निर्भरता को रोकने के लिए विविधीकरण चाहते हैं। वर्ष 2023 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सऊदी अरब, यूएई, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और अर्जेंटीना को आमंत्रित किया गया, जो आगे के विस्तार का संकेत है। तेल समृद्ध खाड़ी देशों को शामिल करने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में ब्रिक्स की भूमिका बढ़ जाती है। हालांकि, आंतरिक संघर्ष महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करते हैं। भारत और चीन के बीच तनाव, विशेष रूप से सीमा विवादों को लेकर, भू–राजनीतिक टकराव पैदा करते हैं। यूक्रेन में रूस के युद्ध के परिणामस्वरूप पश्चिमी प्रतिबंध लगे हैं, जिससे ब्रिक्स के भीतर सहयोग जटिल हो गया है। समूह के भीतर आर्थिक असमानताएं भी चुनौतियां पेश करती हैं, क्योंकि व्यापार में चीन का प्रभुत्व सदस्यों के बीच विषमता पैदा करता है। इन चुनौतियों के बावजूद, ब्रिक्स का लक्ष्य पश्चिमी प्रभाव से स्वतंत्र एक नई वित्तीय प्रणाली स्थापित करना है। समूह प्रौद्योगिकी और रक्षा में अपने सहयोग का विस्तार भी कर सकता है। ट्रम्प की आक्रामक विदेश नीति, विशेष रूप से आर्थिक राष्ट्रवाद, व्यापार युद्ध और बहुपक्षीय संस्थानों के प्रति संदेह पर उनका जोर, पश्चिमी प्रभुत्व के लिए भू–राजनीतिक प्रतिपक्ष के रूप में ब्रिक्स के विकास में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दे सकता है। निस्संदेह, यू.एस. अलगाववाद ने ब्रिक्स की एकजुटता को बढ़ावा दिया। ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति अक्सर सहयोगियों के साथ तनाव और कुछ क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व से पीछे हटने का कारण बनी है। यह ब्रिक्स के लिए खुद को एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत करने वाली वैकल्पिक शक्ति के रूप में पेश करने का अवसर बनाता है। ट्रम्प के व्यापार ने बीजिंग को अन्य ब्रिक्स देशों और गैर–पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। ट्रम्प के वित्तीय प्रतिबंध ने अमेरिकी डॉलर के विकल्प की तलाश को तेज किया है। ट्रम्प की नीतियों ने ब्रिक्स की भू–राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को गति दी है। ब्रिक्स वैश्विक राजनीति और अर्थशास्त्र को नया आकार दे रहा है। पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती दे रहा है और विकासशील देशों के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है।

जब डब्ल्यूएचओ से अमेरिका का बाहर होना टला

एन.एन.

कुछ दिन पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत चुनावी अभियान के दौरान किए गए वादों पर अमल करने के लिए कई आदेश जारी करके की। इनमें से एक घोषणा यह थी कि अमेरिका विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की आर्थिक सहायता रोक देगा और संगठन त्याग देगा। इस खबर ने चार दशक से भी पहले की एक घटना की याद को ताजा कर दिया, जब मैं स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत था और मई, 1982 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) की वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था। सम्मेलन के विस्तृत एजेंडा को विभाजित किया गया और इस पर ए और बी नामक दो आयोग बनाकर चर्चा की गई। 1982 में 163 सदस्यों वाले डब्ल्यूएचए ने सर्वसम्मति से मुझे आयोग बी की कार्यवाही की अध्यक्षता करने के लिए चयनित किया। जेनेवा में हमारे राजदूत एपी वेंकटेश्वरन ने इस पर नई दिल्ली को सूचित किया कि भारत के लिए यह एक उल्लेखनीय 'कूटनीतिक जीत' है। मेरी अध्यक्षता के तीसरे दिन, एफ्रो–एशियाई देशों के एक समूह द्वारा प्रस्तुत एजेंडा के पहले आइटम में एक प्रस्ताव था, जिसका उद्देश्य इस्राइल के कब्जे वाले क्षेत्रों में रहने वाले फलस्तीनियों की खराब स्वास्थ्य स्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित करना था। सभा में अभी–अभी पहुंचे डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. हाफडान महलर मेरे बगल में बैठे थे, जब मैंने फलस्तीनी प्रतिनिधिमंडल के नेता को वह प्रस्ताव पेश करने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें अन्य बातों के अलावा, इस विषय पर एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का उल्लेख था, साथ ही इसमें इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय, फलस्तीन मुक्ति संगठन और फलस्तीनी शरणार्थियों को राहत प्रदान करने वाली विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों का भी जिक्र था, इसमें संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के संबंधित प्रस्तावों का भी संदर्भ दिया गया था। इससे पहले कि मैं इस मुद्दे पर बोलने के लिए अगले प्रतिनिधि को बुला पाता, डॉ. जॉन ब्रायंट, जो कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के जाने–माने नेता थे, अपने स्थान पर खड़े हो गए और गुस्से में 'नेम कार्ड' लहराते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने की अनुमति मांगी। तल्ख शब्दों में डॉ. ब्रायंट ने शिकायत की कि यदि मसौदे के कुछ हिस्सों को तुरंत नहीं हटाया गया, तो 'इस्राइल के सदस्यता अधिकारों एवं सेवाओं को समाप्त करने में सबसे हानिकारक परिणाम होगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस विषय–वस्तु पर और आगे चर्चा की गई, तो उन्हें निर्देश दिया गया है कि 'बता दिया जाए कि अमेरिका, अभी और यहीं से, अपनी आर्थिक मदद निलंबित कर देगा और डब्ल्यूएचओ से हट जाएगा' (उस समय, डब्ल्यूएचओ के कुल बजट का लगभग 25 प्रतिशत धन अमेरिका देता था!)। डॉ. ब्रायंट के बयान के बाद, असेंबली हॉल में अभूतपूर्व हंगामा हुआ– परस्पर विरोधी पक्ष और उनके सभी समर्थक खड़े होकर चिल्ला रहे थे। मैं लगातार गैवल (हथौड़ा) पीटता रहा और व्यवस्था बनाए रखने की अपील करता रहा, लेकिन शोरगुल में इसका कोई असर न था। फिर भी मैं यह घोषणा करने में सफल रहा कि कार्यवाही अगले एक घंटे के लिए स्थगित कर दी गई है। डॉ. महलर के साथ एक संक्षिप्त परामर्श के बाद, जो शब्दों से परे हताश स्थिति में थे, मैं हॉल में गया और अगले लगभग दो घंटों तक इस दुर्भाग्यपूर्ण विवाद के प्रमुख हितधारकों के साथ वार्ताएं कीं। यह महसूस करते हुए कि विवाद को आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता, मैंने घोषणा की कि आयोग की बैठक अब अगली सुबह होगी। मैंने आयोग बी के सचिव से प्रस्ताव के मसौदे से संदर्भित सभी रिपोर्टें और प्रस्तावों की प्रतियां प्राप्त कीं। मैंने उनसे यूएसए, इस्राइल, फलस्तीन और एफ्रो–एशियाई समूह के प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं से संपर्क करने और उस शाम 6 बजे से मेरे लिए उनसे मिलने का समय लेने का अनुरोध किया, इन बैठकों के बीच एक घंटे का अंतराल रखा गया। अपने होटल के कमरे में वापस आकर, मैंने अगले लगभग छह घंटे सभी प्रासंगिक दस्तावेजों का अध्ययन करने, नोट्स लेने और तमाम संभावित विवादित बिंदुओं का हल सोचकर प्रस्ताव के मसौदे को संशोधित करने में बिताए, विशेष रूप से उस हिस्से को फिर से तैयार करने में, जिसका डॉ. ब्रायंट के अनुसार, इस्राइल के राष्ट्रीय हितों पर नकारात्मक प्रभाव था। शाम 6 बजे से, मैंने संबंधित प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं के साथ लगातार चर्चाएं कीं। प्रत्येक बैठक में, मैंने विशेष रूप से अपने द्वारा तैयार किए गए संशोधित प्रस्ताव के प्रारूप पर चर्चा की और फलस्तीनी और एफ्रो–एशियाई प्रतिनिधिमंडलों का पूर्ण समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा, जिनसे मैं दोनों बार मिला था। जब मैं इस्राइली समूह से मिला तो रात के 9 बज चुके थे और काफी लंबी चर्चा के बाद मैं उनकी सहमति प्राप्त करने में सफल रहा। जब मैं उस होटल में पहुंचा, जहां पर अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल रुका हुआ था, तब तक रात के 11 बज चुके थे। चूंकि अन्य सभी पक्ष पहले ही राजी हो चुके थे इसलिए मुझे उम्मीद थी कि यह अंतिम बैठक जल्द पूरी हो जाएगी। इसकी बजाय, मुझे संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित हुए दर्जनों इस्राइल–संबंधी प्रस्तावों से गुजरना पड़ा, अलबत्ता इनमें से एक भी मौजूदा विवाद में प्रासंगिक नहीं था। मैंने अपना धैर्य बनाए रखा और अंत में, नए मसौदे के लिए डॉ. ब्रायंट का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा। अपने होटल में पहुंचते–पहुंचते रात के 1 बज गए थे। उससे पहले नए मसौदे की एक साफ–सुथरी हस्तलिखित प्रतिदृ जिस पर मैं सभी पक्षों को सहमति पाने में सफल रहा था– डब्ल्यूएचओ की एक जिम्मेदार कार्यकारी अधिकारी सुश्री सिमोन को सौंप दी। उन्होंने अगली सुबह सत्र शुरू करने से पहले आवश्यक संख्या में प्रतियां बनाने और सभा में वितरित करने की जिम्मेवारी लेना माना (हालांकि अगला दिन तो पहले ही शुरू हो चुका था!) जब डॉ. महलर और मैं मंच पर पहुंचे तो सभा हॉल में एक असहज शांति थी। सभा को क्रमवार चलाते हुए, मैंने पिछली दोपहर से लेकर अब तक के घटनाक्रमों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी और बताया कि किस प्रकार मैं अपने द्वारा तैयार संशोधित मसौदा प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तमाम संबंधित सदस्य देशों के नेताओं को राजी करने में सफल रहा। मैंने पूछा कि क्या इस प्रस्ताव को अपनाए जाने पर किसी को कोई आपत्ति है। जब कोई एतराज नहीं आया, तब मैंने गैवल मारा और घोषणा की कि प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाता है। सभी ने राहत की सांस ली। इससे पहले कि मैं अगले विषय पर जा पाता, डॉ. महलर अपनी सीट से उठे, मेरे हाथ पकड़े और मुझे गले लगा लिया। रुंधे गले में उन्होंने कहा 'मेरे दोस्त, डब्ल्यूएचओ को बचाने के लिए धन्यवाद।'

भारत में आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के हो रहे हैं प्रयास

प्रह्लाद

विश्व के कुछ देशों में सत्ता परिवर्तन के बाद आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प विभिन्न देशों को लगातार धमकी दे रहे हैं कि वे इन देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर कर की दर में वृद्धि कर देंगे। दिनांक 4 फरवरी 2025 से कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर 20 प्रतिशत एवं चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उक्त प्रकार की उथल पुथल के अतिरिक्त रूस यूक्रेन युद्ध जारी ही है एवं कुछ समय पूर्व तक हमास इजराईल युद्ध भी चलता ही रहा था। वैश्विक स्तर पर उक्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारत, अपनी आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हां, वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत क्रमशः के आसपास रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आगे आने वाले दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखना आवश्यक होगा। अतः केंद्र सरकार द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को इस वित्तीय वर्ष की दो तिमाहियों में दर्ज की गई लगभग 5.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार 8 प्रतिशत से ऊपर निकल जाए। दरअसल, आज देश में उत्पादों की मांग को

बढ़ाना अति आवश्यक है जो पिछले कुछ समय से लगातार कम होती दिखाई दे रही है। इसके लिए आम नागरिकों के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध रहे, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे, आयकर की सीमा को वर्तमान में लागू सीमा 7 लाख रुपए प्रतिवर्ष से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 12 लाख रुपए प्रतिवर्ष कर दिया गया है। साथ ही, आय पर लगने वाले कर की दर को भी बहुत कम कर दिया गया है। इस प्रकार लगभग 1 करोड़ मध्यमवर्गीय करदाताओं को लगभग 1.10 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष का अधिकतम लाभ होने जा रहा है। इस राशि से विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा एवं देश की आर्थिक विकास दर में तेजी दिखाई देगी। हालांकि इससे केंद्र सरकार के बजट पर एक लाख करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। परंतु, फिर भी बजटीय घाटा वित्तीय वर्ष 2024–25 में 5.8 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2025–26 में 5.4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। अतः देश की वित्तीय स्थिति को सही दिशा दिए जाने के सफल प्रयास हो रहे हैं। विनिर्माण के क्षेत्र को गति देना भी आज की आवश्यकता है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन भी चलाए जाने का प्रस्ताव है। आज देश में एक करोड़ से अधिक सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग हैं जो 7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं एवं भारत के कुल उत्पादन में 36 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं तथा देश से होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी 45 प्रतिशत की भागीदारी इन उद्योगों की रहती हैं। कुल मिलाकर भारत आज अपनी इन कम्पनियों को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहता है। भारत में आज निर्यात प्रोत्साहन मिशन को चालू किया जा रहा है ताकि भारत की कम्पनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इसी प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर खिलौना उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। केवल एक दशक पूर्व भारत में खिलौनों का शुद्ध आयात होता था आज भारत खिलौनों का शुद्ध निर्यातक देश बन गया है। पिछले 10 वर्षों में भारत में खिलौनों के निर्यात में 200 प्रतिशत की वृद्धि एवं खिलौनों के आयात में 52 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। भारत ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के खिलौनों का निर्यात किया है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 5 प्रतिशत है। विशेष रूप से वाराणसी, श्री अयोध्या धाम, उज्जैन एवं महाकुम्भ, प्रयागराज में पर्यटकों के लिए विकसित की गई आधारभूत सुविधाओं के बाद इन सभी शहरों की पहचान धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में पूरे विश्व में कायम हुई है। आज आध्यात्म की ओर पूरा विश्व ही आकर्षित हो रहा है अतः भारत में अन्य धार्मिक केंद्रों को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए जिससे विभिन्न देशों के नागरिक भी इन धार्मिक स्थलों पर आ सकें एवं जिससे देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। वित्तीय वर्ष 2025–26 के बजट में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 2,541 करोड़ रुपए की राशि का आबंटन किया गया है जबकि वित्तीय वर्ष 2024–25 में 850 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई थी। भारतीय पर्यटन उद्योग का आकार 25,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, जो कि बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर पूर्व के राज्यों से लेकर जम्मू एवं कश्मीर तक 50 नए पर्यटन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। यह ऐसे पुराने पर्यटन केंद्र हैं ।

जिनकी पहचान कहीं खो गई है। अब इन पर्यटन केंद्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित किये जाने की योजना बनाई जा रही है। इन केंद्रो पर पहुंच को आसान बनाने के उद्देश्य से यातायात के साधनों का विकास किया जाएगा, ।

राहुल गांधी का ऐतिहासिक भाषण

गोतम

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार 3 फरवरी को सदन में एक ऐतिहासिक भाषण दिया, जिसमें आधुनिक विश्व में भारत को आगे ले जाने का पूरा खाका उन्होंने खींच दिया। लगभग पौन घंटे के भाषण में राहुल गांधी ने एक साथ कई पहलुओं को छुआ। विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता, चीनी वस्तुओं पर निर्भरता कम करना, इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी भविष्य की तकनीकों को अपनाना, मेक इन इंडिया कार्यक्रम की कमियों को दूर करना और इसके साथ लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने के उपाय, सब कुछ राहुल गांधी के भाषण में समाहित था। संसद के पिछले कई सत्रों में राहुल गांधी को आक्रामकता के साथ भाषण देते देखा गया है, खास कर नेता प्रतिपक्ष बनने या उससे पहले पिछली सरकार में जब उनकी संसद सदस्यता फिर से बहाल हुई थी, तब अडानी, हिंदुत्व, संविधान और लोकतंत्र पर हो रहे हमले, जातिगत जनगणना ऐसे कई मुद्दों पर राहुल गांधी तीखे तेवर के साथ भाषण देते थे। उनके भाषण अक्सर हिंदी में होते थे, जिसमें सत्तापक्ष काफी टोका–टाकी और व्यवधान डालने की कोशिश करता था। लेकिन इस बजट सत्र में राहुल गांधी का एकदम अलग अंदाज नजर आया। उन्होंने न अपनी आवाज ऊंची की, न वे कहीं विचलित होते हुए दिखे। राहुल गांधी ने भाषण की शुरुआत में ही अपना चुटीला अंदाज भी दिखाया, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने जब उनका नाम लिया, लेकिन कैमरे में नेता प्रतिपक्ष नजर नहीं आए, तो उन्होंने थोड़ा रुककर इंतजार किया कि कैमरा उनकी तरफ घूमे और जब कैमरा उनकी तरफ आया तो उन्होंने ओम बिड़ला और कैमरा को मुस्कुराते हुए डबल थैंक्यू कहा, इस तरह राहुल गांधी ने दिखा दिया कि अब उन्हें उपेक्षित करने की मोदी सरकार की कोशिश कामयाब नहीं होगी। अपने पूरे संबोधन में राहुल गांधी ने अपनी बात कहने के लिए एक स्पष्ट रणनीति, एक सधी हुई भाषा–शैली और एक परिपक्व सोच का परिचय दिया। सरकार पर हमला या हल्ला बोलने की जगह इस बार उन्होंने सरकार की कमियां दिखाईं, और उन्हें दूर करने ठोस व रचनात्मक सुझाव भी दे दिए। नेता प्रतिपक्ष ने डेटा, उत्पादन और एआई समेत कई मुद्दों पर केंद्र सरकार से कहा कि आपको डेटा पर काम करना चाहिए। हमारे पास प्रोडक्शन (उत्पादन) और कंजप्शन (खपत) तक किसी का भी डेटा नहीं है। अगर हमारे पास डेटा होता तो हमारे विदेश मंत्री को प्रधानमंत्री के निमंत्रण के लिए तीन बार अमेरिका नहीं जाना पड़ता। उनके इस बयान पर संसदीय कार्यमंत्री ने फौरन ऐतराज जताया, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी इस बात के लिए राहुल गांधी की निंदा कर रहे हैं। हालांकि राहुल गांधी से पहले निमंत्रण का मुद्दा सुब्रमण्यम स्वामी उठाते रहे हैं, लेकिन भाजपा ने उन्हें कभी कुछ नहीं कहा। जहां तक राहुल गांधी के बयान का सवाल है, तो यह उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि अगर आज भारत तकनीकी तौर पर चीन जितना सक्षम होता तो अमेरिका के आगे कमजोर महसूस नहीं करना पड़ता। और आज की यह कड़वी हकीकत भी है, जिससे केंद्र सरकार मुंह चुरा रही है। यह तथ्य है कि डोनाल्ड ट्रंप ने शी जिनपिंग को खुद फोन कर न्यौता दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को नहीं बुलाया था। और जब श्री मोदी ने अपने दोस्त ट्रंप को बधाई दी और आपसी सहयोग की बात की, उसके बाद ट्रंप ने मंगलवार को अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों की पहली खेप सैन्य विमान में बिठाकर रवाना कर दी। यहां सीधे–सीधे भारत को अपमानित किया गया, लेकिन सरकार इस पर कुछ नहीं कह रही। बहरहाल, अपने संबोधन में राहुल गांधी ने देश में हुई अहम क्रंतियों का उल्लेख करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की अपने पिता द्वारा शुरू की जा रही कंप्यूटर क्रांति का विरोध किए जाने का जिक्र भी किया, लेकिन साथ ही यह कहना नहीं भूले कि वह वाजपेयी का बेहद सम्मान करते हैं। यानी राहुल गांधी कहीं से भी सरकार से तकरार करने की मुद्रा में नहीं दिखे। जैसे महाराष्ट्र के नतीजों का जिक्र करते हुए जब उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए तो कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच 70 लाख नए वोटर जोड़े गए। महाराष्ट्र में जितने पांच साल में जुड़े, उससे ज्यादा आखिरी पांच महीने में जोड़े गए। शिर्डी की एक बिल्डिंग में सात हजार नए वोटर जुड़े। उन्होंने कहा कि मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं, सिर्फ ये कह रहा हूं कि कुछ ना कुछ दिक्कत है। इसके अलावा उन्होंने चुनाव आयुक्त के चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया और यह भी माना कि यूपीए सरकार में भी पर्याप्त काम नहीं हुआ था। यानी नेता प्रतिपक्ष ने केवल एनडीए की गलतियां नहीं गिनाईं अपने दोष भी माने। कुल मिलाकर राहुल गांधी एक दूरदृष्टा के तौर पर सामने आए, जिन्हें देश के बुनियादी मुद्दों की समझ है और समस्याओं के समाधान भी उनके पास हैं। राहुल गांधी के इस शानदार भाषण के बाद उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मोदी भी इसी तरह का उच्च स्तरीय जवाब देंगे, लेकिन उनके भाषण ने फिर निराश किया, क्योंकि वे पूरे वक्त कांग्रेस और गांधी परिवार की आलोचना या अपनी वाहवाही में लगे रहे। राहुल गांधी के पिछले दिनों दिए गए भाषणों और बयानों पर ही प्रधानमंत्री जवाब देते रहे। फिर चाहे वह इंडियन स्टेट से लड़ाई की बात हो, राष्ट्रपति के भाषण को बोरिंग कहने वाली टिप्पणी हो या बजट पर राहुल गांधी की बैंडेड वाली प्रतिक्रिया हो। नरेन्द्र मोदी उसी में उलझे रहे। अपने भाषण में श्री मोदी ने गांधी परिवार पर भी निम्न स्तरीय हमला किया। उन्होंने कहा कि आज किसी एस टी परिवार के तीन सदस्य संसद में नहीं हैं, इस तरह प्रधानमंत्री ने गांधी परिवार से तीन सांसदों के होने पर भी निशाना साधा, जबकि इन तीन में से दो, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को तो सीधे जनता ने निर्वाचित किया है । और सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। लेकिन श्री मोदी पर गांधी परिवार का खौफ इतना है कि वो अब जनता के फैसलों पर भी सवाल उठा रहे हैं। हालांकि उनसे उम्मीद इस बात की है कि वे विपक्ष द्वारा जनता के लिए उठाए गए सवालों पर जवाब दें।

डग्गामार वाहनों का शिकार होता आम जनमानस

हरदोई (अम्बरीष सक्सेना)

शाहाबाद क्षेत्र में वाहन चालकों की मनमानी का शिकार होते यात्री, रुपए खर्च करने के बाबजूद भी यात्रियों को पर्याप्त बैठने की जगह तक नहीं हो पाती। डग्गामार वाहन चालकों के द्वारा मनमाना किराया वसूल करना भी काफी हद तक यात्रियों की परेशानियों का कारण बना हुआ है? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शाहजहांपुर हरदोई मार्ग पर शाहाबाद से आवगमन करने वाले यात्रियों को ऑटो टैंपो आदि वाहनों पर जल्दी पहुंचने के चक्कर में परेशानियों का सामना करने की विवशता बनी हुई है। वहीं परिवहन विभाग व पुलिस विभाग की निष्क्रिय कार्यशैली के फलित तिपहिया, ऑटो व चौपहिया वाहन चालकों की मनमानी का शिकार होने के चलते क्षमता से अधिक सवारियों को लेकर जाने वाले वाहन पर मनमानी तरीके से क्षमता से अधिक सवारियों से यात्रा परेशान रहते है। इन वाहन चालक पर परिवहन विभाग, आरटीओ व पुलिस विभाग की कृपा बनी होने के कारण इन वाहनों पर कोई भी मानक लागू नहीं होता है। जबकि इन वाहनों पर परमिट से अधिक सवारियां भरी होने के बावजूद उक्त मार्ग पर शाहजहांपुर,रामचंद्र मिशन, सेहरामऊ दक्षिणी, शाहाबाद, बेहरागोकुल व हरदोई लगभग छः थानों से होकर गुजरने वाले मानकविहीन सवारियों को ढोते देखे जाते है। लेकिन शासन प्रशासन व संबंधित गैरजिम्मेदाराना विभाग की कार्यप्रणाली से आम जन मानस त्रस्त है मगर जिम्मेदार और वाहन चालक मस्त नजर आ रहे है। और मजबूर सवारियां भूसे की तरह भरी जा रही है जिस ओर से अधिकारियों व जिम्मेदारों को आम लोगों की जिंदगी जोखिम में पड़े उनकी बला से उनका हक और रसूख सब समय पर मिल ही रहा है। जिम्मेदारों का तो ष्हर्र लगे न फिटकरी रंग भी चोखा होयष की कहावत चरितार्थ नजर आ रही है। जिस ओर कोई भी ध्यान देता नजर नहीं आ रहा है ।

दयाल सरन जिलाध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव जिला महासचिव मनोनीत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव बिहारी वर्मा जी राष्ट्रीय महासचिव विमलेश श्रीवास्तव जी से विचार विमर्श कर जिले के टीम का गठन किया जिसमें जिलाध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव , जिला महामंत्री पद पर विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार बनाए गए वही जिला उपाध्यक्ष पद पर रमेश चन्द श्रीवास्तव, धीरज श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, शैलेन्द्र मोहन श्रीवास्तव, शशांक श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव सौरभ श्रीवास्तव बनाए गए एवं जिला संगठन मंत्री अनुपम श्रीवास्तव बनाए गए जिला कोषाध्यक्ष पद पर शिखर कांत श्रीवास्तव और जिला सचिव पद पर अमूल्य श्रीवास्तव, दिवांशु श्रीवास्तव, अरुण श्रीवास्तव डब्बू, श्रीमती पूजा श्रीवास्तव श्रीमती ममता श्रीवास्तव बनाए गए। जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव ने बताया कि नवनियुक्त कार्यकारणी की प्रथम बैठक 11 फरवरी को रात्रि 8 बजे मेरे आवास पर होगी जिसमें संगठन मजबूती प्रदान करने की चर्चा होगी। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर की टीम बनने पर बधाई देने वाले में वरिष्ट नेता राकेश श्रीवास्तव,ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष डॉ उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल, राष्ट्रीय सचिव राकेश श्रीवास्तव साधु, कायस्थ महासभा 7235 के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महासभा संगत पंगत राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष 7235 सुरेश अस्थाना, कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू, कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष डॉ अशोक अस्थाना, युवा राष्ट्रीय सचिव संतोष श्रीवास्तव सोनू, वरिष्ट जिला उपाध्यक्ष ,अंकित श्रीवास्तव पत्रकार,अमर श्रीवास्तव, संतोष निगम, डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव,प्रदीप श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव,मनीष श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव अनीस श्रीवास्तव संदीप श्रीवास्तव पत्रकार आदि लोगों ने बधाई दिया।

छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अवध कॉलेजिएट लखनऊ ने ६ फरवरी को कक्षा 12 के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रजव्वलन एवं बच्चो को आने वाली बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक आने की प्रार्थना करते हुए हवन से की गयी। कक्षा ग्यारवी के छात्रों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके अपने सीनियर्स को उनके स्कूल में बिताये वर्षो की यादें ताजा की। इस अवसर पर, स्कूल के प्रबंधक श्री सर्वजीत सिंह ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों को यह सलाह दी कि वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए हमेशा मेहनत करें और अपने लक्ष्यों

की ओर बढ़ते रहें। निदेशिका श्रीमती जतिंदर वालिआ ने कहा, ष्हमें अपने कक्षा 12 के छात्रों पर गर्व है और हमें उम्मीद है कि वे अपने जीवन में बहुत सफलता प्राप्त करेंगे। हम उन्हें उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।ष विदाई समारोह में छात्रों ने अपने शिक्षकों और साथियों के साथ अपने अनुभवों और यादों को साझा किया। समारोह में स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया और छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। दरोगा खेड़ा , पारा , रामगढ़ एवम् मोहान शाखाओं की प्रधानाचार्यो में श्रीमती इंदु चंदेल, श्रीमती मोनिशा व्यास, श्रीमती नीरजा सिंह एवम् श्रीमति अनिता झा ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना की। बच्चो को आने वाले भविष्य में चुने जाने वाले कॉलेज को ध्यान पूर्वक चुनने की सलाह दी गयी। संयुक्त निदेशिका डा ब्रह्मजोत कौर ने छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, ष्हमें उम्मीद है कि आप अपने जीवन में बहुत सफलता प्राप्त करेंगे। हम आपको आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।ष विदाई समारोह के बाद में उन छात्रों का सम्मान किया गया जिन्होंने अवध कॉलेजिएट में प्री नर्सरी से कक्षा 12 तक शिक्षा ग्रहण की अंत में सभी छात्रों ने अपने शिक्षकों और साथियों के साथ फोटो खिंचवाई और अपने अनुभवों को साझा किया।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने एस्पायरिंग इंजीनियर्स के लिए पेश किया "आकाश इनविक्टस" – द अल्टीमेट जेईई प्रिपरेशन प्रोग्राम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। परीक्षा की तैयारी में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने गर्व के साथ "आकाश इन्विक्टस" का शुभारंभ किया है। यह जेईई की तैयारी के लिए एक अनूठा और अग्रणी एडवांस्ड प्रोग्राम है, जिसे विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए डिजाइन किया गया है। यह उच्च–स्तरीय, व्यक्तिगत, एआई आधारित और परिणाम–केंद्रित कार्यक्रम आईटीटी या विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी करने वाले छात्रों को सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। "आकाश इन्विक्टस" लगभग 500 सबसे अच्छे जेईई शिक्षक एक साथ लाता है, जो एक लाख से ज्यादा छात्रों को आईआईटी में सफलता दिलाने में मदद कर चुके हैं। ये शिक्षक छात्रों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसका पाठ्यक्रम अत्याधुनिक है और इसे उन छात्रों के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है, जो टॉप आईआईटी रैंक हासिल करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। इस प्रोग्राम में फिजिटल लर्निंग और विशेष अध्ययन सामग्री शामिल हैं, जो जेईई एडवांस की सटीक, एआई–सक्षम और अनुकूली तैयारी को सुनिश्चित करते हैं। इस प्रोग्राम में एक कम्प्रीहेंसिव रिविजन और टेस्टिंग मॉड्यूल शामिल है, जो जेईई (एडवान्स्ड) परीक्षा के फाइनल स्टेज से पहले टार्गेटेड प्रेपरेशन पर फोकस करता है। स्टूडेंट्स को स्पेशल कोर्स, डाउट–सॉल्विंग सेशन्स और उनके परफॉर्मेंस को मैक्सिमाइज करने के लिए ध्यान से डिजाइन की गई टेस्ट सीरीज का बेनिफिट मिलेगा। "आकाश इन्विक्टस" में छोटे बैच होंगे, जिससे छात्रों को अधिक व्यक्तिगत ध्यान मिल सके और उनकी हर जरूरत को सही तरीके से पूरा किया जा सके। "आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री दीपक मेहरोत्रा ने प्रोग्राम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "आकाश इन्विक्टस" केवल एक कोचिंग प्रोग्राम नहीं हैय यह उन छात्रों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा है, जो शीर्ष आईआईटी रैंक हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। ये प्रोग्राम दशकों के एक्सपीरियंस, एडवांस्ड टीचिंग मेथड्स और पर्सनलाइज्ड, टेक्नोलॉजी–ड्रिवन एजुकेशन को टॉप–लेवल फैकल्टी के साथ जोड़ता है। पिछले कुछ वर्षों में, हमारे शिक्षकों ने लाखों छात्रों को शीर्ष आईआईटी में प्रवेश दिलाने में सफलता प्राप्त की है। अध्ययन सामग्री को पूरी तरह से नए तरीके से तैयार किया गया है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम शामिल है और इसे उद्योग के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों ने विकसित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि यह सर्वोत्तम है – यदि आप बेहतर सामग्री तैयार कर सकते हैं, तो हम आपको पुरस्कृत करेंगे और हमारी टीम में आपका स्वागत करेंगे। उन्होंने आगे कहा, "कुछ महीने पहले शुरू हुए इस कार्यक्रम ने पहले ही 2500 से ज्यादा टॉप छात्रों को अपनी ओर आकर्षित किया है। तीन प्रमुख स्तंभों – नवाचारपूर्ण शिक्षण विधि और पाठ्यक्रम, एक्सपर्ट फैकल्टी और एडवांस्ड टूल्स – पर आधारित "आकाश इन्विक्टस" जेईई की तैयारी में नए मानक स्थापित करेगा।

जिलाधिकारी के निर्देश पर बीएसए के नेतृत्व मे जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति ने जाना बेसिक शिक्षा का हाल, अनुपस्थित कार्मिकों के विरूद्ध की गयी कार्यवाही

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की मासिक बैठक में शासन की मंशानुरूप तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा निर्गत दिशा निर्देश के क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग में चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई। एमडीएम, निपुण भारत, छात्र उपस्थितिधशिक्षक उपस्थिति एवं अन्य योजनाओं यथा विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शत–प्रतिशत अपार आई डी, डीबीटी आदि के प्रगति की भी समीक्षा करते हुये विद्यालयों मे गतिशील विभिन्न योजनाओं के प्रगति को धरातलीय यथास्थिति हेतु जनपद के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स ने विकास खण्ड सिकरारा, रामपुर एवं बरसठी के परिषदीय विद्यालयों में 06 फरवरी 2025 को औचक निरीक्षण कर जाँच कर समीक्षा किया। सर्वप्रथम बीएसए द्वारा विकास खण्ड सिकरारा के प्राथमिक विद्यालय टिकरी का निरीक्षण पूर्वान्ह 09रू05 पर किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय बन्द पाये जाने पर बीएसए द्वारा विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहित समस्त शैक्षणिक कर्मचारियों का आग्रिम आदेश तक वेतनध्मानदेय अवरूद्ध कर दिया गया। प्राथमिक विद्यालय दुदौली का निरीक्षण पूर्वाह्न 09रू10 बजे बीएसए द्वारा किया गया। विद्यालय मे कार्यरत शिक्षक अशोक कुमार यादव के विद्यालय मे अनधिकृत रूप से अनुपस्थित होने के कारण निरीक्षण तिथि का वेतन अवरूद्ध कर दिया गया। विद्यालय परिसर स्वच्छ न पाये जाने पर बीएसए द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। तत्पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विकास खण्ड सिकरारा के ही प्राथमिक विद्यालय रामनगर एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामनगर का क्रमशरू औचक निरीक्षण करते हुये विद्यालयों मे प्राप्त कतिपय कमियों में सुधार किये जाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के अतिरिक्त जनपदीय टास्क फोर्स मे नामित खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं जिला समंवयकों द्वारा विकास खण्ड रामपुर एवं बरसठी के लगभग 190 विद्यालयों का चिन्हांकन करते हुये की गयी जाँच में लगभग 25 सहायक शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक विद्यालयों मे अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये, विद्यालय मे अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये जाने के क्रम में सम्बंधित कार्मिकों का बीएसए द्वारा निरीक्षण तिथि का वेतनध्मानदेय अवरुद्ध करते हुये कार्यवाही की गयी।

पीएम आवास योजना को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने १३२ को लोगों को दिया नोटिश मकान पर किया चस्पा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के बसीरपुर गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के चयन को लेकर गंभीर विवाद उत्पन्न हो गया है। अमर बहादुर और रामजस निषाद के बीच पात्र व्यक्तियों के सत्यापन को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मामले को लेकर फायरिंग और अग्नि में तीन लोग घायल भी हुए हैं आधुनिक मामले में पुलिस ने लगभग 60 लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया है बावजूद इसके गांव तनाव बना हुआ है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष ने गुरुवार को

कुल 132 लोगों को नोटिस जारी किया है। नोटिस प्राप्त करने वालों में अमर बहादुर, उनके परिवार के सदस्य और अन्य ग्रामीण हैं। सभी को शांति भंग की आशंका के चलते पाबंद किया गया है। पुलिस प्रशासन ने सभी नोटिस प्राप्त लोगों को 14 फरवरी 2025 तक एक लाख रुपये का व्यक्तिगत बंधपत्र और इतनी ही राशि की जमानत देने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्ति अधिकारी ने छापेमारी कर सात अवैध सिलेंडर किया बरामद

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के धर्मापुर बाजार में स्थित एक दुकान से पूर्ति निरीक्षक अर्चना सिंह ने छापेमारी कर सात अवैध सिलेंडर बरामद किए।बरामद किए गए सिलेंडरों को संबंधित कंपनी की एजेंसी में जमा कर दिया गया। थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव को मुखबिर से सूचना मिली की ऊक्त बाजार के ब्लॉक जाने वाले मोड़ पर एक कास्टमेटिक की दुकान है।जिसमें अवैध सिलेंडरों को जमा किया गया है। जिसकी कालाबाजारी की जाती है।थाना प्रभारी ने पूर्ति निरीक्षक धर्मापुर अर्चना सिंह को सूचना दिया। जिस पर पूर्ति निरीक्षक धर्मापुर अर्चना सिंह,क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सदर जयप्रकाश पांडेय,इंस्पेक्टर क्राइम संजय कुमार सिंह के साथ उक्त बोल बम इंटरप्राइजेज नाम से कॉस्मेटिक की दुकान पर पहुंचे वहां से कुल सात अवैध सिलेंडर की बारामदगी की गई। जिसमें 6 सिलेंडर घरेलू वह एक सिलेंडर कमर्शियल पाया गया। पुलिस ने उक्त दुकानदार विनोद कुमार को हिरासत में ले लिया।अवैध सिलेंडरों को भी अपने कब्जे में ले लिया। वही दुकानदार विनोद कुमार उक्त सिलेंडर को जमा करने से संबंधित कोई लाइसेंसी कागज मौके पर नहीं दिखा पाए। इस छापेमारी से बाजार में हड़कंप मच गया।इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक धर्मापुर अर्चना सिंह ने बताया कि उनके द्वारा दी गई तहरीर पर जफराबाद थाने में उक्त दुकानदार विनोद कुमार निवासी धर्मापुर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तथा बरामद गैस सिलेंडर को सम्बंधित कंपनी के नजदीकी एजेंसी पर जमा करवा दिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला अधेड़ का शव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के बनगांव भूमिहार गांव में बुधवार की शाम भूमि विवाद में एक वृद्ध की हत्या कर दी गई। परिजनों का आरोप है कि दबंगों ने मारने के बाद उसे फांसी पर लटका दिया। सूचना पर पहुंचीं पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही सीओ प्रतिमा वर्मा सहित सर्किल के सभी थानों की पुलिस तथा क्राइम ब्रांच की टीम भी मौके पर पहुंच गयी।

उक्त गांव निवासी 60 वर्षीय रामपाल यादव का सगे भाई रामजस से लंबे समय से भूमि विवाद चल रहा है। शाम को झाल झंखाड़ हटाने को लेकर मामूली विवाद हुआ था। कुछ ही देर बाद रामपाल का पशुशाला में लोहे के एंगल से साड़ी के सहारे शव लटका हुआ मिला। घास काटकर लौटी पत्नी जयाप्रदा शव देखते ही शोर मचाते हुए साड़ी को हशिया से काटकर पति को नीचे उतारा। परिजनों का आरोप है कि विवाद के चलते पड़ोसियों ने रामपाल की हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया। उधर सूचना मिलते ही सीओ प्रतिमा वर्मा व प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे मयफोर्स मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए जांच में जुट गए। इस संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार प्रतिमा वर्मा ने बताया कि पीआरबी को एक व्यक्ति की मौत की जानकारी मिली थी पुलिस मौके पर पहुंची इससे पहले परिजन युवक का शव फंदे पर से उतर कर नीचे रख चुके थे पुलिस मौके से चार लोगों दो महिला दो पुरुष को हिरासत में लेकर घटना की छानबीन में जुटी गयी। परिजनों द्वारा तहरीर प्राप्त होते ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिया भेज दिया गया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का सही पता चल पायेगा।

नशेड़ियो ने लाठी डंडे से पीट कर साथी को उतारा मौत के घाट,पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के समदहां गांव में बुधवार की रात तीन नेशेडी दोस्तों ने मिलकर अपने साथी की लाठी डंडे से पीट कर निर्मम हत्या कर दी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। समदहां गांव के निवासी 45 वर्षीय भूपेंद्र सिंह बुधवार की रात अपने तीन मित्रों के साथ गांव के समीप एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचा था। पांच चारों लोग बैठकर शराब का सेवन भी किया, देर रात किसी बात को लेकर तीनों में विवाद हो गया और गांव से थोड़ी दूर स्थित कोटा पूरवा नहर के समीप तीनों साथियों ने मिलकर भूपेंद्र को लाठी डंडे से पीटना शुरू कर दिया। चीख पुकार की आवाज सुनते ही किसी ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलते ही मौके पर परिजनों ने पहुंचकर किसी तरह से भूपेंद्र को साथियों के चंगुल से छुड़ा लिया और आनन–फानन में एंबुलेंस से इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने भूपेंद्र को मृत घोषित कर दिया। उधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों साथी आरोपायो को हिरासत में ले लिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी। थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लिया गया है ,गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है।

'अपार आईडी पंजीकरण में सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज ब्लॉक में नम्बर वन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली –(हरदोई)' विगत कई महीनों से जनपद के समस्त विद्यालयों द्वारा अपार आईडी बनाने के क्रम में सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद अपार आईडी निर्माण की जारी सूची में पाली नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज को अपार पंजीयन में ब्लॉक भरखनी में प्रथम स्थान मिला है। आपको बता दें कि कालेज के प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी के कुशल दिशा निर्देशन में इतिहास प्रवक्ता विनोद प्रताप वर्मा के अथक प्रयासों एवं शिक्षकों के सहयोग से अपार पंजीयन में जिले में टॉप 10 की सूची एवं ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रधानाचार्य डॉ वीपी द्विवेदी ने विनोद प्रताप वर्मा सहित सभी संबंधित शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए बधाई दी। बुधवार को बीआरसी भरखनी पर हुई बैठक के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी डॉ सुनील कुमार सिंह ने भी उक्त कालेज के कार्यों एवं अपार आईडी निर्माण की प्रशंसा करते हुए प्रधानाचार्य सहित सभी शिक्षकों को बधाई दी।

कजगांव नगर पंचायत में भ्रष्टाचार व अनियमितताओं को लेकर सभासदों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कजगांव नगर पंचायत में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर सभासदों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सभासदों का आरोप है कि नगर पंचायत के चेयरमैन और अधिशासी अधिकारी (ईओ) मनमानी तरीके से कार्य कर रहे हैं और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार कर रहे हैं। ज्ञापन में बताया गया कि सभासदों द्वारा अपने–अपने वार्डों के लिए दिए गए विकास प्रस्तावों पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं, जब सभासद इस संबंध में जानकारी मांगते हैं, तो उन्हें अपमानित किया जाता है। आरोप है कि चेयरमैन और ईओ अपने रिश्तेदारों को ठेके दे रहे हैं और नियमों को ताक पर रखकर काम करा रहे हैं। सभासदों का यह भी कहना है कि

बोर्ड बैठक की मांग करने पर भी चेयरमैन और ईओ टालमटोल करते हैं। बिना बोर्ड की सहमति के ही कई कार्य कराए जा रहे हैं। जब भी कोई जानकारी मांगी जाती है, तो उन्हें जिलाधिकारी के पास जाने की सलाह दी जाती है। चेयरमैन और ईओ का कहना है कि सभासदों को उनसे कुछ भी पूछने या मांग करने का अधिकार नहीं है। सभासदों ने जिलाधिकारी से इस मामले में उचित जांच और कार्रवाई की मांग की है।

मौके से सुसाइड नोट मिला है जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

पीयू कौशल विकास केंद्र ने किया उप्र कौशल विकास के साथ एमओयू

जौनपुर,06 जनवरी । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि जौनपुर के कौशल विकास केंद्र में कुलपति प्रो वंदना सिंह के मार्गदर्शन में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं आस पास की महिलाओं,कम पढ़े लिखे एवं अशिक्षित वर्ग के लिए भी विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित कौशल विकास केन्द्र में रोजगार परक प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय में कोर्स चलाए जाने पर विशेष रुचि प्रदर्शित किया। इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक मयंक गंगवार एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास की नोडल अधिकारी डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव ने गुरुवार को समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय अब राजकीय प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में रोजगार परक प्रशिक्षण महिलाओं, छात्र छात्राओं, आदि ।

बिरजू महाराज की याद में गूंजी घुंघरुओं की थाप

लखनऊ, (संवाददाता)। कथक सम्राट पं. बिरजू महाराज की याद में मंगलवार को संगीत नाटक अकादमी के सभागार घुंघरुओं की थाप गूंज उठा। कथक गुरु की जयंती पर उनकी शिष्याओं ने कथक की विभिन्न प्रस्तुतियों से अपने गुरु को नमन किया। बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में आयोजित नृत्य प्रस्तुति की शुरुआत बिरजू महाराज की शिष्या डॉ. दीपांविता सिंघा रॉय ने निर्वाण अष्टकम से की। उन्होंने अपनी एकल कथक नृत्य के जरिए पारंपरिक नृत्य तीन ताल की प्रस्तुति दी। इसके बाद उन्होंने अपने नृत्य और भाव भंगिमाओं के जरिए मंच पर गंगा अवतरण की अनुभूति कराई। ठुमरी से भी दर्शकों को परिचित कराया। उनके साथ सहयोगी सारंगी पर जीशान अब्बास, सितार पर नीरज मिश्रा, तबला पर उदय शंकर मिश्र, पढंत में रूद्रशंकर मिश्र और गायन एवं हारमोनियम पर नम्रता गुप्ता ने संगत की। कथक दूसरी प्रस्तुति में कथक गुरु मालती श्याम के निर्देशन में कथक केंद्र नई दिल्ली के कलाकारों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। वसंत ऋतु पर आधारित गीत सब भांति सुहाई ऋतु वसंत... पर डोलमा गुप्ता, पल्लवी जैन, लक्ष्मण साहू, श्रेष्ठा जखमोला, हर्षिता द्विवेदी, बादल बरिहा, ईपशिता गांगुली, सोनाली सैलानी, सिमरन पासपोला, तरुषि रजोरा, ऋचा बलूनी, प्रज्ञा गोस्वामी ने सामूहिक कथक की प्रस्तुति दी। उनके साथ तबला पर योगेश गंगानी, सारंगी पर नासिर खान, पखावज पर हर्ष लाल, गायन एवं हार्मोनियम पर समी उल्लाह खान, बांसुरी पर सिद्धार्थ डलबेहरा और सितार पर मेहराब हुसैन ने संगत की। इससे पहले पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह की शुरुआत संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर, निदेशक रविंद्र कुमार, सहायक निदेशक तुहिन द्विवेदी, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग मुकेश मेश्राम ने दीप प्रज्जवलित कर किया। संचालन अदिति थपलियाल ने किया।

सपा ने कई बूथों पर ईवीएम खराब होने और वोट करने से रोकने का लगाया आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए बुधवार को सुबह सात बजे मतदान प्रारंभ हो गया। मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें लग गई हैं। सुबह नौ बजे तक दो घंटे में करीब 13 प्रतिशत मतदान हो चुका है। इस दौरान सपा ने कई बूथों पर ईवीएम खराब होने, सपा के बूथ एजेंट से बदसलूकी करने और मतदान से रोकने का आरोप लगाया है और इसकी जानकारी एक्स पर भी दी है। सपा ने एक्स पर कहा है कि मिल्कीपुर विधानसभा के बूथ संख्या 52 एवं 61 पर ईवीएम खराब होने के कारण मतदान प्रभावित हो रहा है। वहीं, यह भी कहा कि बूथ संख्या 43, 44, 45 और 46 पर पीठासीन अधिकारी द्वारा समाजवादी पार्टी की एजेंट को पोलिंग स्टेशन के बाहर निकाला गया। टिंडौली ग्राम सभा के बूथ संख्या 146 पर ईवीएम खराब होने की सूचना, बूथ संख्या 106, 107 ,108 पर सपा के बूथ एजेंट को भगाया गया। मतदान करने से भी रोका जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मतदाताओं का आईकार्ड चेक कर डरा रहे अफसर मिला जवाब - अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान जारी है। इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक तस्वीर पोस्ट कर आरोप लगाया है कि मिल्कीपुर के उपचुनाव में पुलिस अधिकारी मतदाताओं का आईकार्ड चेक कर उन्हें डराने की कोशिश कर रहे हैं। एक्स पर तस्वीर पोस्ट कर उन्होंने लिखा कि चुनाव आयोग तुरंत इस समाचार से जुड़ी तस्वीरों का संज्ञान ले कि अयोध्या की पुलिस

मिल्कीपुर में मतदाताओं के आईडी कार्ड चेक कर रही है, जिसमें पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। ये अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं में भय उत्पन्न करके मतदान को प्रभावित करने का लोकतांत्रिक अपराध है। ऐसे लोगों को तुरंत हटाया जाए और दंडात्मक कार्रवाई की जाए। चुनाव आयोग तुरंत इस समाचार से जुड़ी तस्वीरों का संज्ञान ले कि अयोध्या की पुलिस मिल्कीपुर में मतदाताओं के आईडी कार्ड चेक कर रही है, जिसमें पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। ये अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं में भय उत्पन्न करके मतदान को प्रभावित करने का लोकतांत्रिक अपराध है। इस पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों की ओर से आरोप लगाया जा रहा है कि अयोध्या की पुलिस मिल्कीपुर में मतदाताओं के आईडी कार्ड चेक कर रही है। यह पूरी तरह गलत है। अफसरों ने राजनीतिक दलों के एजेंटों से बात की और उनकी समस्याओं का समाधान दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर भ्रामक है।

मतदान के बीच सपा सांसद ने सरकार पर लगाए आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। मिल्कीपुर में उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान के बीच सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा अपनी जमानत नहीं बचा पाएगी। ये चुनाव मिल्कीपुर की जनता और योगी सरकार के बीच का है। सीएम योगी को जनता पर भरोसा नहीं है। ये अधिकारियों के सहारे दबाव डालकर चुनाव जीतना चाहते हैं लेकिन ये सब हथकंडे काम नहीं आने वाले हैं। सांसद ने कहा कि मिल्कीपुर में कई जगह पर ईवीएम खराब हुई। सपा के बूथ एजेंटों को भगा दिया गया और कई जगहों पर फर्जी मतदान हुआ है। उन्होंने बूथ नंबर 412 पर मिल्कीपुर के एसडीएम पर सपा कार्यकर्ताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। कहा कि एसडीएम ने धमकी देते हुए कहा कि यहां से भाग जाओ नहीं तो जिस तरह तुम्हारा सांसद रो रहा था, चुनाव बाद तुम्हें भी रोना पड़ेगा। बता दें कि बीते दिनों एक दलित युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद अवधेश प्रसाद रो पड़े थे।

ऋषभ के आने से सुपरजायंट्स हुई मजबूत, हम टीम को देंगे पूरी स्वतंत्रता

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ सुपरजायंट्स के नए कप्तान ऋषभ पंत को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। विस्फोटक बल्लेबाजी के अलावा आईपीएल में उनकी कप्तानी भी शानदार रही है। ऐसे में नए सत्र के दौरान ऋषभ एलएसजी के लिए बेहद अहम होंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि वे कप्तान के रूप में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहेंगे। यह कहना है लखनऊ सुपरजायंट्स के नए मेंटर और पूर्व अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज जहीर खान का, जो शहर के इकाना स्टेडियम में मंगलवार से शुरू हुई कैंप के दौरान पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि आईपीएल में जीत–हार में बहुत ज्यादा अंतर नहीं होता है। हमारे खिलाड़ियों को यह सोचकर आगे बढ़ना होगा। ऐसे में ऋषभ के ऊपर दोहरी जिम्मेदारी होगी। पूर्व में वे ऐसा कर चुके हैं, जो उनकी नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। आईपीएल के पिछले सत्र में अपनी गेंदबाजी से बल्लेबाजों में खौफ पैदा करने वाले मयंक यादव के बारे में पूरे गए प्रश्न के जवाब में जहीर ने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि मंयक आने वाले आईपीएल सीजन के लिए सभी मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहे। फिलहाल वे एनसीए में अपनी फिटनेस हासिल कर रहे हैं। वे भारतीय गेंदबाजी का भविष्य है। इसलिए हम मयंक पर अधिक दबाव नहीं बनाना चाहते। अगर वे फिट होंगे तो लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए जरूर खेलेंगे। जहीर खान ने कहा कि हम पूरी टीम को स्वतंत्रता देंगे। हम चाहते हैं कि हमारी टीम बढ़िया प्रदर्शन करें। इसके लिए खिलाड़ियों पर अनावश्यक दबाव नहीं बनाया जाएगा। हमारे लिए ऑक्शन में बढिघ्या रहा। धाकड़ बल्लेबाजों की कोई कमी नहीं है, जबकि गेंदबाजी में मयंक के अलावा आवेश खान और रवि बिश्नोई से बेतहर प्रदर्शन आस है। इसके अलावा मोहसिन खान और आकाशदीप भी हमारे लिए अहम हो सकते हैं। यह आईपीएल की तैयारी का शुरुआती चरण

आज पहली बार लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाड़ी अपने घरेलू मैदान में इकट्ठा होना शुरू हुए हैं। अभी कोई योजना नहीं बनाई गई है। प्लेयर इलेवन के लिए कंबीनेशन भी तलाशना होगा। यह कैंप का आयोजन टीम में शामिल खिलाड़ियों को एक मंच पर लाकर ट्रेनिंग देना है। आगे भी इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद तैयारियों को अमली जामा पहनाया जाएगा।

चौंपियंस ट्रॉफी में पाक का दावा कमजोर

जहीर खान ने कहा कि पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की बहुत कम उम्मीद है। मौजूदा प्रदर्शन को आधार माना जाए तो उनके लिए अंतिम चार में जगह बनाना संभव नहीं दिखता। मेरे विचार से भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें अंतिम चार में जगह बना सकती हैं।

शिक्षा मंत्री से मिले प्रभावित शिक्षक, कोर्ट में अभ्यर्थियों का पक्ष रखने की उठाई मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। नियुक्ति की मांग को ईको गार्डेन में धरना दे रहे 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग अभ्यर्थियों ने मंगलवार को बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री से 11 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई में सरकार कीओर से अभ्यर्थियों का पक्ष मजबूती के साथ रखने की मांग की। मंत्री ने इस मामले में जल्द ही अधिकारियों के साथ बैठक करने का आश्वासन दिया। ईको गार्डेन में नियुक्ति की मांग को लेकर धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने अमरेंद्र पटेल की अगुवाई में बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास पर मुलाकात कर न्याय की मांग की। अमरेंद्र पटेल ने कहा की 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में विसंगति के कारण हम अभ्यर्थी न्याय के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट की डबल बेंच का फैसला अभ्यर्थियों के पक्ष में आने के बावजूद सरकार की लापरवाही से मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया। उन्होंने कहा कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में हमारा पक्ष मजबूती के साथ रखें और मामला जल्द निस्तारित कराए। अमरेंद्र पटेल ने बताया अभ्यर्थियों की बात सुनने के बाद शिक्षा मंत्री ने कहा कि अधिकारियों के साथ एक बैठक करने का आश्वासन दिया है।

गबन के आरोप में विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी संजय कुमार राय को लखनऊ मुख्यालय से किया गया संबद्ध

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद का पूर्वांचल विश्वविद्यालय एक बार फिर सुर्खियों में है।मामला पैसे की गबन का है इस मामले में कुलपति ने शासन के आदेश पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए अनियमितता के आरोप में विश्वविद्यालय वित्त अधिकारी संजय राय के खिलाफ कठोर कदम उठाते हुए उन्हें लखनऊ मुख्यालय से अटैच कर दिया है। वित्त अधिकारी के खिलाफ कठोर कर्रवाई होने से विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया है। उनकी जगह अब अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के वित्त अधिकारी पूर्णंदु शुक्ला को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वित्तीय कार्यों की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनियमितता का यह मामला जुलाई 2023 में प्रकाश में आया था, जब तत्कालीन कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने वित्तीय अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए एक कर्मचारी को बर्खास्त और एक अन्य को निलंबित कर दिया था। हालांकि, जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कार्यवाही केवल अधीनस्थ कर्मचारियों तक सीमित रही, जबकि उच्च पदस्थ अधिकारी बचाव में लगे रहे। घोटाले की जांच के लिए तत्कालीन कुलपति ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था, जिसमें–प्रो. अजय प्रताप सिंह (मनोविज्ञान विभाग), सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रेमचंद त्रिपाठी चार्टर्ड अकाउंटेंट अमित गुप्ता को शामिल किया गया। प्रो. अजय प्रताप सिंह

की रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी को स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया, जबकि सेवानिवृत्त न्यायाधीश और चार्टर्ड अकाउंटेंट अमित गुप्ता की रिपोर्ट में विरोधाभास पाया गया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वित्त विभाग ने परीक्षकों के पारिश्रमिक के नाम पर उनके स्वजन और बाहरी व्यक्तियों के खातों में लाखों रुपये स्थानांतरित कर दिए थे। जब मामला उजागर होने लगा, तो वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कुछ धनराशि को वापस मंगवाकर नकद जमा करने का प्रयास किया, लेकिन घोटाले की परतें एक–एक कर खुलती चली गईं। प्रारंभिक जांच में इस वित्तीय अनियमितता की राशि लगभग 14 लाख रुपये आंकी गई थी।यदि इसकी इसकी सही जांच की जाएगी तो वास्तविक हेराफेरी की रकम इससे अधिक हो सकती है। घोटाले की गंभीरता को देखते हुए अब इस पूरे प्रकरण की जांच वाराणसी मंडलायुक्त को सौंपी गई है।इस मामले में उच्च पदस्थ अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है, और जांच के पश्चात कई वरिष्ठ अधिकारियों पर भी कार्रवाई संभव है। इस मामले में बुधवार जानकारी देते कुलपति वंदना सिंह ने बताया कि गबन मामला सामने आया है पूरे मामले की वाराणसी के मंडला आयुक्त जांच कर रहे है जाँच जो भी दोषी पाया जाएगा उनके कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

बिजली विभाग के संविदा कर्मी की रहस्यमय मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या–प्रयागराज हाइवे पर बुधवार सुबह एक संविदा लाइनमैन की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अयोध्या जिले के हैदरगंज थाना क्षेत्र के घोंपा गांव निवासी कुंदन (28) के रूप में हुई है। कुंदन गलिबहा पॉवर हाउस में संविदा लाइनमैन के पद पर कार्यरत था। घटना कूरेभार थाना क्षेत्र के दखिनवारा गांव के पास हुई जहां सुबह के समय खेत में कुंदन का शव मिला। घटनास्थल पर उनकी मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। कुंदन अपने सहकर्मी सुरेंद्र के साथ बाइक पर सवार थे जिसमें सुरेंद्र भी घायल हो गया है। स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही कूरेभार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। थानाध्यक्ष शारदेंदु दुबे के अनुसार, शव को पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मिली तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तनाव का माहौल है और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए हैं।

विद्यालय के पीछे पेड़ से लटकता मिला कक्षा आठ की छात्रा का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर जिले के पिसावां थानाक्षेत्र के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पीछे बेरी के पेड़ से कक्षा आठ की छात्रा का शव लटकता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, फोरेंसिक टीम ने मौका मुआयना कर साक्ष्य संकलित किये। थानाक्षेत्र के सेजकला निवासी धीरसिंह की पंद्रह वर्षीय पुत्री सुभाषिनी पड़ोस के गांव खेरवा में स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कक्षा आठ की छात्रा है। बुधवार सुबह वह अपने घर से नित्यक्रिया के लिए निकली और पूर्व माध्यमिक विद्यालय

खेरवा के पीछे बेरी के पेड़ पर दुपट्टे का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर लिया। कुछ देर बाद खेरवा गांव के ग्रामीणों ने शव लटकता देख परिजनों को जानकारी दी। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। वहीं, फारेन्सिक टीम ने मौके की जांच कर साक्ष्य संकलित किये। ग्रामीणो के अनुसार लड़की कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान थी। कुछ दिन पूर्व उसने विद्यालय में ही फंदे से झूलने का प्रयास किया था तब लोगों ने उसे बचा लिया था। प्रभारी थानाध्यक्ष डीपी मिश्रा ने बताया अभी तक परिजनों का किसी पर आरोप नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है।

इंटर्नशिप में ऑनलाइन कक्षाएं करेंगे छात्र

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में एमकॉम तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) की शुरुआत बुधवार से होगी।

कैंसर फैलने के डर में न करें बायोप्सी में देरी

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू के कैंसर रोग विशेषज्ञ प्रो. सुधीर सिंह के मुताबिक ज्यादातर लोगों को लगता है कि बायोप्सी के बाद कैंसर तेजी से फैलता है। इस वजह से वे बायोप्सी नहीं कराते हैं। हकीकत में बायोप्सी कैंसर की सटीक पहचान के लिए जरूरी जांच है। इसमें देरी नहीं करनी चाहिए। विश्व कैंसर दिवस पर मंगलवार को ओपीडी परिसर में उन्होंने यह जानकारी दी। प्रो. सुधीर ने बताया कि बायोप्सी कराने की सलाह तब दी जाती है, जब शारीरिक परीक्षण के दौरान कुछ संदिग्ध दिखता है। यह एक मामूली सर्जिकल प्रक्रिया है। इसमें शरीर के प्रभावित हिस्सों से कोशिकाओं का नमूना लेकर उसकी जांच करके कैंसर की उपस्थिति का पता लगाया जाता है। बायोप्सी कैंसर की जांच और इलाज दोनों के लिए अहम है। इसकी जांच रिपोर्ट इलाज व उसके परिणामों की दिशा तय करती है। डॉ. अनिमेष अग्रवाल के मुताबिक कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं है। अगर इसके लक्षणों को शुरुआती स्टेज में पहचान लिया जाए तो कैंसर को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। अधिकतर मरीजों में बीमारी का पता तीसरी और चौथी स्टेज में चलता है। लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में मुंह और गले के कैंसर के काफी मामले देखे जाते हैं। इसकी वजह तंबाकू और पान–मसाले का सेवन है। मुंह के छाले–घाव ठीक न होने, मुंह में सफेद, लाल धब्बे, भोजन निगलते समय दर्द आदि होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सीमैप में मंथन करेंगे हिंद महासागरीय देशों के प्रतिनिधि

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान में मंगलवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज हुआ। इस सम्मेलन में हिंद महासागर क्षेत्र के संदर्भ में औषधीय एवं सुगंधित पौधों के अनुसंधान में प्रगति पर चर्चा की जाएगी। उद्घाटन के मौके पर सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेल्वी ने कहा कि भारतीय महासागरीय क्षेत्र में औषधीय एवं सगंधित पौधों से संबंधित व्यापार, स्थिरता, वैश्विक परिवर्तन आदि विषयों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग में सीमैप की भूमिका महत्वपूर्ण है। सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने सम्मेलन में आए आईओआरए देशों के लगभग 22 प्रतिनिधियों का स्वागत किया। आईओआरए (इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन) हिंद महासागर की सीमा से लगे देशों के बीच आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय

एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए स्थापित संगठन है। उद्घाटन से पहले डॉ. एन. कलैसेल्वी ने परिसर में चंदन का एक पौधा लगाया। साथ ही सीमैप में नियंत्रित पौध वृद्धि कक्ष – हरीति–दो का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में आईआईटी रोपड़ दृटेक्नोलॉजी और इनोवेशन फाउंडेशन व सुगंध–स्वाद विकास केंद्र कन्नौज के साथ दो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। साथ ही वेस्ट टू वेल्थ पर एक फार्म बुलेटिन व वेटिवर आधारित उद्यमिता पर एक फिल्म का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम में एनबीआरआई के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी, सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन और आईआईटीआर के निदेशक डॉ. भास्कर नारायण और आईओआरए के डॉ. मोहम्मद रजा संजाबी भी मौजूद रहे।

सोलर एनर्जी मिशन को पूरा करने के लिए सरकार उद्यमियों के साथ : वित्त मंत्री

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्र सरकार का बजट विकसित भारत का सपना पूरा करने का एक ठोस कदम है। सौर ऊर्जा की उपयोगिता बढ़ाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। सोलर एनर्जी मिशन को पूरा करने के लिए सरकार उद्यमियों के साथ है। यदि किसी को कोई समस्या है तो वह सरकार को बता सकता है। ये बातें मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे चार दिवसीय सोलर एक्सपो के समापन समारोह में प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहीं। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 25 हजार एकड़ भूमि जैव ऊर्जा के लिए दी जा रही है। इसका उपयोग सोलर को बढ़ावा देने के लिए होगा। उन्होंने कहा कि आम बजट में प्रदेश के लिए 46000 करोड़ का आवंटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित होगा। एक्सपो में जिन कंपनियों के स्टॉल लगाए गए थे, मंत्री ने उनका अवलोकन भी किया। एक्सपो में शामिल सोलर संचालित यूटिलिटी वैन सूमा के बारे में भी वित्तमंत्री ने जानकारी ली। समारोह के दौरान मंत्री ने तारिक हसन नकवी संरक्षक यूपीएसपीडीए व चेयरमैन हिक्मा एनर्जी को सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रदर्शनी में शामिल 91 कंपनियों के स्टॉल को पहले, दूसरे, तीसरे व सांत्वना पुरस्कार दिया। विधायक नीरज बोरा ने भी प्रदर्शनी को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में साहसिक कदम बताया। इस मौके पर अजय शर्मा, तारिक हसन नकवी, अन्वेश सिंह चौहान, पवन कुमार अग्रवाल, अखिलेश त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

केजीएमयू में शुरू होगी डीएम आंकोपैथोलॉजी की पढ़ाई

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के पैथोलॉजी विभाग में जल्द ही डीएम आंकोपैथोलॉजी की पढ़ाई शुरु होने वाली है। इसके लिए विभाग ने संस्थान के माध्यम से राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को आवेदन किया है। इसमें तीन पोस्ट डॉक्टोरल सर्टिफिकेट कोर्स (पीडीसीसी) के आवेदन भी शामिल हैं। पैथोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. उमाशंकर सिंह के मुताबिक, कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए इसकी पहचान भी बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डीएम आंकोपैथोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। इसके जरिये खून की जांच से कैंसर का पता लगाने के लिए विशेषज्ञ तैयार

संस्मरणों से अवध कोकिला को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, (संवाददाता)। लोक संस्कृति शोध संस्थान की ओर से सिंचाई विभाग के ऑफिसर्स क्लब में हुए कार्यक्रम की शुरुआत अर्चना गुप्ता ने सांस्कृतिक प्रस्तुति से की। उन्होंने प्रो. कमला से सीखी श्रीराम स्तुति सुनाई। डॉ. सरोजनी सक्सेना ने मां शारदे दयानी मोहे तार दे, प्रो. ऊषा वाजपेयी ने श्रद्धांजलि अर्पित है.. सुनाया। नीरा मिश्रा, मनीषा, शकुंतला श्रीवास्तव, इंदु सारस्वत, सुषमा प्रकाश ने भी गीत सुनाए। वरिष्ठ लोकगायिका पद्मा गिडवानी, कुमाऊं कोकिला विमल पंत, डॉ. रामबहादुर मिश्र, विनीत सिन्हा, उमा त्रिगुणायत, डा. करुणा पांडे ने कमला श्रीवास्तव से संबंधित संस्मरण सुनाए। इस मौके पर डॉ. रामबहादुर मिश्र, हेमंत गुप्ता, राजीव गुप्ता, रचना गुप्ता, अनिल पांडे, राजनारायण वर्मा, डॉ. स्मिता मिश्रा, आभा शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।